हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

12 सैड ऑफ आर्ट शो के माध्यम से दिखाई छोटे वीर...

12 गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर गूंजेगा वैश्य...

खबर संक्षेप

ढाई लाख रुपये की चरस सहित आरोपी काबू

भिवानी। पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार के दिशा-निर्देशों के तहत जिला पुलिस भिवानी द्वारा ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान के अंतर्गत नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार कर नशे के नेटवर्क को तोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ ईश्वरवाल की टीम ने एक व्यक्ति को लगभग ढाई लाख रुपये की कीमत की चरस सहित काबू करने में सफलता हासिल की है।

नाबालिग से छेड़छाड़ में तीन साल की सजा

भिवानी। अदालत ने एक आरोपी को नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में तीन साल कैद की सजा सुनाई है। साथ में आरोपी पर दस हजार रुपये का जुर्माना भी किया है। जुर्माना अदा न करने की सूरत में आरोपी को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भिवानी में रहने वाले एक व्यक्ति ने थाना शहर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता पिता ने पुलिस को बताया कि दस जनवरी को आरोपी उनकी नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले गया था वहीं आरोपी के द्वारा उनकी लड़की के साथ छेड़छाड़ भी की थी।

निबंध में रितु व भाषण में भावना प्रथम

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर मुकेश कुमार चहल की अध्यक्षता में लीगल लिटरेसी सेल के तत्वाधान में कोई मतदाता न छूटे विषय पर भाषण व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने हिस्सा भी लिया। जानकारी के अनुसार निबंध प्रतियोगिता में एमए प्रथम वर्ष हिंदी की छात्रा रितु ने प्रथम, टीना द्वितीय, निशु तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम, रितु ने द्वितीय और टीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भिवानी में ओपन कराटे चैंपियनशिप 20 व 21 को

भिवानी। ऑल इंडिया शीतो-यू कराटे ऑर्गेनाइजेशन एवं वेदांक ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में 5वीं हरियाणा राज्य स्तरीय ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 20 व 21 दिसंबर को किया जाएगा। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता भिवानी के हांसी मार्ग स्थित केसी आर्मी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। चैंपियनशिप के आयोजक एवं ऑल इंडिया शीतो-यू कराटे ऑर्गेनाइजेशन के चेयरमैन हरीश कोच ने दी जानकारी।

जगरामबास के विजय का 24वें दिन गांव पहुंचा शव, किया अंतिम संस्कार

- इंग्लैंड में पढ़ाई करने गए जगरामबास के युवक की हुई हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

भिवानी। विजय के शव को देखती उसकी मां। फोटो :हरिभूमि

भिवानी। विजय की अर्थी को कंधा देता उसका भाई। फोटो :हरिभूमि

गांव जगरामबास निवासी विजय कुमार का शव 24 दिन बाद गांव पहुंचा तो पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों व ग्रामीणों की आंखें नम थीं। शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें आसपास क्षेत्र के लोग शामिल हुए। परिजनों ने कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव जगरामबास निवासी भूतपूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह के 27 वर्षीय पुत्र विजय कुमार उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड गया हुआ था, वह वहां एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। बताया गया कि वह केंद्रीय जीएसटी विभाग में निरीक्षक पद पर कार्यरत था और स्वैच्छिक सेवानिवृत लेकर आगे की पढ़ाई के लिए विदेश गया था। यूनिवर्सिटी से वापस लौटते समय विजय कुमार के साथ दुःखद घटना घटित हुई।

इंग्लैंड पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रास्ते में उन्होंने चार से पांच भारतीय युवकों को लिफ्ट दी थी, जिसके बाद उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। इंग्लैंड पुलिस ने जांच के दौरान गाड़ी और पासपोर्ट से मिली जानकारी के आधार पर मृतक के भाई रवि से मोबाइल पर संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने हत्या के आरोप में चार से पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। शव का पोस्टमार्टम कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद करवाया गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे लगातार इंग्लैंड पुलिस और प्रशासन के संपर्क में रहे। इंग्लैंड प्रशासन ने विदेशी नागरिक होने के बावजूद सभी कानूनी सहायता और अधिवक्ता की व्यवस्था करने का भरोसा दिया। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत सरकार को सूचना देकर शव भारत भेजा गया। विजय का बड़ा भाई भारतीय सेना में सेवारत है, जबकि छोटा भाई गांव में ही रहता है। पिता सुरेंद्र सिंह स्वयं भूतपूर्व सैनिक हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शव के गांव पहुंचने पर अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिजनों को सांत्वना दी। मृतक विजय के अंतिम दर्शन करने के लिए बहन मोनिका पार्थिव शरीर के समीप पहुंची तो शव को देखकर बेसुध हो गई। मृतक के पिता सुरेंद्र सिंह शव लेकर एंबुलेंस को देखते ही बिलख पड़े। बड़े भाई रवि कुमार ने छोटे भाई के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी।

भारतीय मूल के लोगों ने किया सहयोग

मृतक के जीजा जितेंद्र जो इंग्लैंड में नौकरी करते है। जितेंद्र ने बताया कि इंग्लैंड में भारतीय मूल के लोगों और वहां के अधिकारियों ने सहयोग किया, जिसके चलते शव को भारत में घर पर लाया जा सका। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इंग्लैंड का प्रशासन हमें न्याय देगा, हमे रिपोर्ट व न्यूज से पता चला कि जो आरोपी है, वह भारतीय मूल के ही है, लेकिन अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आरोपियों को वहां की पुलिस ने कस्टडी में लिया हुआ है।

अंतिम संस्कार में ये रहे शामिल

विजय के अंतिम संस्कार में जजपा हल्का अध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ौली, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील, जजपा नेता संजय जगरामबास, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंटी, कृषि अधिकारी चंद्रभान श्योराण, कमांडेंट राकेश, मास्टर नवीन, संदीप धनखड़, प्रदीप जगरामबास, पूर्व सैनिक लीग के जिलाध्यक्ष राजेश श्योराण, प्रोफेसर सत्यपाल आर्य, सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र, शमशेर जगरामबास, रमेश फोगाट, जीतेंद्र, लीलाराम, जयप्रकाश, रमेश व नरेश आदि शामिल रहे।

सोशल मीडिया पर उड़ रही अफवाहों के बीच एकजुट हुए दोनों गांवों के ग्रामीण

बलियाली-रामुपुरा को हांसी में शामिल किया तो होगा कड़ा विरोध, सौंपा ज्ञापन

- दोनों गांवों की पंचायत ने भिवानी में ही रहने का प्रस्ताव किया पारित
- सोशल मीडिया पर फैली अफवाह ने लोगों की बढाई टेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। तहसील कार्यालय में मांगपत्र सौंपते ग्रामीण।

दो दिन पहले सीएम नायाब सिंह सैनी ने हांसी को जिला बनाने की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर गांवों को जोड़ने के मैसेज ने ग्रामीणों की टेंशन बढा दी। हांसी के साथ गांव जोड़ने की अफवाह फैलने के बाद गुरुवार को गांव बलियाली में रामुपुरा व बलियाली के ग्रामीणों की पंचायत हुई। करीब एक घंटे तक सोशल मीडिया पर आए बलियाली को हांसी के साथ जोड़ने के मैसेज पर मंथन हुआ। दोनों गांव भिवानी में रहने का प्रस्ताव पारित किया गया। बाद में दोनों गांवों के ग्रामीणों ने बवानीखेड़ा के तहसीलदार कार्यालय में पहुंचकर सीएम नायब सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही ग्रामीणों ने बताया कि उनको इस प्रस्ताव के जरिए भिवानी जिले में रखा जाए। अगर प्रस्ताव पर कोई अमल नहीं हुआ तो वे इसका पूरजोर विरोध करेंगे। हालांकि ग्रामीणों ने तर्क दिया कि अभी तक सरकार के साथ है,लेकिन उनको हांसी के साथ जोड़ा गया तो वे साथ छोड़ने से भी परहेज नहीं करेंगे।

रामूपुरा (बलियाली) के ग्रामीणों ने भिवानी जिले में ही शामिल रहने को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन हांसी के जिला बनने की घोषणा पश्चात भिवानी जिले में ही बने रहने के लिए पंचायतों का रूझान तेज हो गया हैं। हांसी में जोड़े जाने पर पंचायतों ने सख्त रूख अपनाने के संकेत दिए हैं। जहां बुधवार को लोहारी जाटू में पंचायत हुई और भिवानी जिले में ही रहने की बात कही।

लोगों का है यह तर्क

सुबह सवेरे गांव बलियाली में रामुपूरा व बलियाली के लोगों की पंचायत हुई। पंचायत में सरपंच व अनेक पंच भी शामिल हुए। इस दौरान लोगों का तर्क था कि हांसी को जिला बना दिया गया,लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन किन गांवों को हांसी जिले में शामिल किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया पर घूम रहे बलियाली व रामुपुरा को हांसी में शामिल किए जाने का फेक मैसेज ने लोगों की समस्या बढा दी है। हर किसी की जुबान पर हांसी के साथ जोड़े जाने का सूचना जुबान पर है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके नजदीक भिवानी पड़ रही है। सारे कार्य भिवानी में ही होते है। अगर हांसी के साथ जोड़ दिया गया तो गांव की करीब 35 हजार की आबादी के लिए नई परेशानी खड़ी हो जाएगी। छोटे से छोटे कार्य के लिए उनको हांसी जाना बेहद परेशानी से भरा होगा। दोनों गांव व पंचायत ने सर्व सम्मति से भिवानी के साथ रहने की सहमति जताई है।

मांगों को लेकर आज रहेंगे सभी पैक्स बंद

भिवानी। प्रदेश के प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पैक्स कर्मचारी महासंघ हरियाणा के आह्वान पर 19 दिसंबर को सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी सहकारिता मंत्री के गोहाना स्थित आवास का घेराव करेंगे। इस दौरान भिवानी सहित प्रदेश भर के सभी पैक्स बंद रहेंगे। यह जानकारी देते हुए पैक्स कर्मचारी महासंघ हरियाणा के भिवानी व दादरी जिला के प्रधान नरेश कुमार ने बताया कि पैक्स कर्मचारी लंबे समय से वेतन विसंगतियों, मैडिकल सुविधा और ग्रेच्युटी अधिनियम के तहत भुगतान जैसी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2018 में विभागीय कमेटी द्वारा वेतन विसंगति पर दी गई रिपोर्ट को सरकार अब तक लागू नहीं कर पाई है। उनका कहना है कि अधिकारी पैक्स को घाटे में बताकर उनकी जायज मांगों को टाल रहे हैं। जिसके विरोध में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि 19 दिसंबर के घेराव के बाद भी सरकार नहीं झुकती है तो 22 व 23 दिसंबर को प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन होंगे, जिसके बाद 29, 30 व 31 दिसंबर को कलम छोड़ हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी यदि सरकार मांग नहीं मानती है तो 5 जनवरी को रजिस्ट्रार सहकारी समितियां पंचकूला के कार्यालय पर प्रदेश सतरीय प्रदर्शन किया जाएगा।

भिवानी। निरीक्षण के दौरान जांच करते हुए।

एडीसी ने किया मुक्त आश्रय गृह का निरीक्षण

भिवानी। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने शहर में लोहारू रोड़ पर स्थित आदर्श शिक्षण संस्थान में संचालित मुक्त आश्रय गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीसी ने यहां पर जरूरतमंदों को दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कहा कि योजना के तहत हर पात्र बच्चे को जोडें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुक्त आश्रय गृह के संचालकों व संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को दी जा रही सुविधाएं, खाना, कपड़े, स्वास्थ्य और शिक्षा आदि का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुक्त आश्रय गृह में जरूरतमंदों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अत्यधिक ठंड के चलते विशेष सावधानी बरती जानी जरूरी है। सर्दी से बचाव के लिए प्रबंध किए जाएं। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली, सीडब्ल्यूसी की सदस्य नीलम, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य शिल्पी रानी, डॉ. निशा व विलनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ सुमन पानू आदि शामिल रहे।

प्रशासन गांव की ओर अभियान आज से

भिवानी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 19 से 25 दिसंबर तक प्रशासन गांव की ओर अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत जिला भिवानी में भी प्रशासन द्वारा प्रत्येक उपमंडल में गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में प्रशासन द्वारा नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया जाएगा। ये जानकारी नगराधीश अनिल कुमार ने लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में अधिकारियों की बैठक में दी। उन्होंने निर्देश दिए कि इस अभियान के दौरान सरल पोर्टल और सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान करें। नागरिकों की शिकायतों को प्रमुखता से लें। उन्होंने कहा कि प्रशासन गांव की ओर अभियान के दौरान अधिकारी अपने कार्य को और तेज गति प्रदान करें। उन्होंने बताया कि डीसी साहिल गुप्ता द्वारा प्रत्येक उपमंडल में संबंधित एसडीएम को वहां का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन से सीधे रूप से जुड़े विभागों के अधिकारी इस अभियान के दौरान और अधिक गंभीरता से कार्य करें। बैठक में सिवानी से एसडीएम विजया मलिक, सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य, नगर परिषद ईओ राजा राम, तोशाम से नायब तहसीलदार अशोक कुमार आदि रहे।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में आज एसीएस के नाम ज्ञापन सौंपेंगे बिजली कर्मचारीः बल्लू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी के विरोध में बिजली कर्मचारियों को संबोधित एचएसईबी के सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला।

ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी के विरोध में बिजली कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन लगातार सातवें दिन वीरवार को जारी रहा। कर्मचारियों ने सरकार की पॉलिसी के विरोध में जबरदस्त नारेबाजी की। आनलाईन ट्रांसफर पालिसी के विरोध में शुक्रवार को यहां कार्यकारी अभियंता के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य सचिव (पावर) को ज्ञापन सौंपा जाएगा। वीरवार को एचएसईबी वर्कर यूनियन संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सिटी यूनिट, भिवानी ने कार्यकारी अभियंता के कार्यालय पर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी को तुरंत प्रभाव से वापस लेने की मांग की। वीरवार को विरोध की अध्यक्षता एचएसईबी के सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला ने की। मंच संचालन यूनिट वरिष्ठ उपप्रधान मोंटी कुमार ने किया। सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला ने कहा कि ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी में उच्चाधिकारी अपने चहेतों को उसी जगह पर रखने के लिए सीटों को ब्लाक कर देते हैं, जिससे आम कर्मचारी को दूर दराज के क्षेत्रों में नौकरी करने पर मजबूर होना पड़ता है।

मोनू देवसरिया बने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड चेयरमैन के ओएसडी

- एचकेआरएन कर्मचारी नेता पवन शर्मा हालुवासिया ने जताया सीएम व शिक्षामंत्री का आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा के साथ मोनू देवसरिया।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भिवानी जिले के गांव देवसर के निवासी राजनीतिक विज्ञान के प्रवक्ता मोनू देवसरिया को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार का ओएसडी नियुक्त किया गया है। एचकेआरएन कर्मचारी नेता पवन शर्मा हालुवासिया ने इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए विशेष रूप से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षामंत्री महिपाल ढ़ांडा का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मनीष, पूर्व प्रधान नरेंद्र, संजय शर्मा, राजेंद्र कुमार, सोहन सिंह, निष्काम, कमल, भवानीसिंह, नवीन कुमार, सोमबीर, भारत राम, राजपाल माली, अनिल यादव, सोनपाल, उमेश कुमार सहित अनेक ने खुशी जताई।

विकास कार्यों में आएगी तेजीः पवन

पवन हालुवासिया ने कहा कि मोनू देवसरिया को चेयरमैन का ओएसडी बनाने के बाद अब शिक्षा बोर्ड से संबंधित सभी कार्य और भी अधिक पारदर्शिता एवं तेजी से होंगे, उनकी नियुक्ति से प्रशासनिक कार्यों में कसावट आएगी और आम छात्रों व कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान त्वरित गति से हो सकेगा। इस अवसर पर पवन शर्मा ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के वर्तमान चेयरमैन डॉ. पवन कुमार के कार्यकाल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जब से डॉ. पवन कुमार ने चेयरमैन का पद संभाला है, शिक्षा बोर्ड की छवि और कार्यप्रणाली में काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं, अब मोनू देवसरिया के ओएसडी के रूप में जुड़ने से चेयरमैन डॉ. पवन कुमार के विजन को धरातल पर उतारने में और आसानी होगी।

कामनवेल्थ खेलों में हरियाणा की होगी हिस्सेदारी करेंगे विशेष प्रयास : मीनू

- खिलाड़ियों का हक नहीं मरने देंगे, ओलंपिक संघ बनाएगा विशेष योजना
- पीएम मोदी, सीएम नायब सैनी के 2036 में 36 गोल्ड जीतने का सपना पूरा करेंगे हरियाणा के खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। 18 बीडब्ल्यूएन:23 : स्टेडियम का शुभारंभ करते।

हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल ने जिला के गांव डोहका हरिया में लगभग 4 करोड़ रूपये की लागत से 12 एकड़ में बने चौधरी सूबे सिंह आधुनिक खेल स्टेडियम का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला प्रशासन की तरफ से उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल भी उपस्थित रहे। आधुनिक खेल स्टेडियम में क्रिकेट ,एथलेटिक्स,वॉलीबॉल, कबड्डी, और फुटबॉल के खेल ग्राउंड बनकर तैयार हो गए हैं। और अन्य ग्राउंड पर कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल स्टेडियम में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता आयोजित करवाएंगे। उन्होंने कहा कि 2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों में हमारे खिलाड़ी 36गोल्ड मैडल जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी का सपना पूरा करेंगे।

बवानीखेड़ा के लोगों ने अपनी राय रख बताया फायदा और नुकसान

हांसी जिले में शामिल होने की चर्चा से बढ़ी हार्टबीट

- कोई बोला उनके खून में भिवानी तो कोई बोला हांसी में जाना नए जन्म लेने जैसा करना पड़ेगा दोबारा संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा को हांसी में शामिल किए जाने की चर्चाओं ने बवानी खेड़ा शहर सहित आसपास के गांवों के लोगों की हार्टबीट तेज कर दी है। जिसको लेकर लोगों का हाजमा भी बिगड़ने लगा है। अगर ये अफवाहे सही साबित हुईं तो आगे और भी कुछ देखने को मिलेगा। इसी को लेकर लोगों ने अपनी राय साझा की।

गांम का कोए पाड़ी कोनी, किमे बी हो सकै सैः हनुमान पाराशर

वरिष्ठ नागरिक एवं समाजसेवी हनुमान पारासर ने बताया कि ''बवानी खेड़ा गांव का कोए पाड़ी ''पाली'' मतलब रखवाला कोनी, रेलवे स्टेशन बी ठांण की चीज कोनी नहीं तो इसनै बी ठा के किते ओर ले जाके जोड़ देंगें'' उन्होंने इस बात से नाराजगी जताई की की हांसी में जोड़ा जाता है तो मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना पड़ेगा व अतिरिक्त बोझ उनकी जेब पर पड़ेगा।

चंद दूरी पर भिवानी, हांसी संग जोड़ना अनुचितः राजीव टिहाल

समाजसेवी एवं ठेकेदार राजीव टिहाल बलियाली ने बताया कि उनका व्यवसाय बवानी खेड़ा, भिवानी में है और बचपन से भिवानी से संपर्क बनाए हुए। इसलिए हांसी के साथ जोड़ना दोबारा से संघर्ष करके अपना वर्चस्व स्थापित करने के समान है। इसलिए वे भिवानी जिले के साथ ही रहना पसंद करते हैं और लोकसभा क्षेत्र में भी बवानी खेड़ा को भिवानी के साथ जोड़ने की मांग करते हैं।

रोम-रोम में बसा भिवानीः कर्ण ओड

समाजसेवी कर्ण ओड ने बताया कि हांसी के साथ बवानी खेड़ा को जोड़ना उल्टी गंगा बहाने जैसा है। उनका मानना है बवानी खेड़ा शहर को उपमंडल का दर्जा दिया जाए ताकि भिवानी भी कम जाना पड़े और अधिकतर कार्य बवानी खेड़ा हो जाएं। वहीं हांसी के साथ न जोड़कर बवानी खेड़ा को ही डिब्लप किया जाए ताकि भविष्य में बवानी खेड़ा हलका और मजबूत हो सके।

भिवानी हमारी कर्मभूमिः प्रवीण हंस

समाजसेवी प्रवीण हंस बलियाली ने बताया कि भिवानी उनकी कर्मभूमि है। शिक्षा दिक्षा सहित सभी कुछ भिवानी जिले से संबंधित रहा है। अब यकायन उन्हें हांसी के साथ जोड़ने से पहले बलियाली से बवानी खेड़ा, बवानी खेड़ा से हांसी, यदि हांसी कोर्ट जाना है तो मां काली देवी चैक से ऑटो लेकर कोर्ट इस प्रकार उन्हें आने जाने में डेढ से दो सौ रूपए वहन करने होंगे जबकि भिवानी जाने के लिए केवल 15 से बीस रूपए में काम चल जाता है। इसके अलावा भी उनका जुड़ा भिवानी से है।

क्रिसमस का अवसर हो और रेड ड्रेस पहने, लंबी सफेद दाढ़ी वाले तुम सबके फेवरेट सांता क्लॉज का जिक्र ना आए, ऐसा कैसे हो सकता है! सांता क्लॉज, दूसरों के साथ प्यार-खुशी बांटने का संदेश देते हैं। इसके अलावा और भी बहुत-सी अच्छी बातें हैं, जो तुम अपने प्यारे सांता से सीख सकते हो, खुद भी किसी के सांता बन सकते हो।

प्यारे सांता क्लॉज से सीखो ये अच्छी-प्यारी बातें

फेस्टिव मैसेज
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, क्रिसमस पर तुमको सबसे ज्यादा बेसब्री से इंतजार रहता है, ढेरों गिफ्ट बांटने वाले क्यूट से सांता क्लॉज का, है न! दुनिया भर के बच्चों के फेवरेट सांता, न केवल सब पर प्यार बरसाते हैं, सबकी मदद भी करते हैं। इसीलिए सबका प्यार पाते भी हैं। सबको गिफ्ट के रूप में खुशियां बांटने वाले सांता, बहुत गुणी भी हैं। उनकी कई गतिविधियां और गुण बहुत प्रेरणादायी हैं। अगर तुम ध्यान दो तो इनसे बहुत सी अच्छी-अच्छी बातें और बर्ताव सीख सकते हो। हंसी-खुशी क्रिसमस का पर्व मनाते हुए सांता क्लॉज की इन बातों के बारे में तुमको जरूर जानना चाहिए।

सबकी मदद के लिए तत्पर

सांता का मन बहुत उदार है। वे खुले दिल से सबकी मदद करते हैं। सांता जब खुशियां बांटने निकलते हैं तो कोई ऊंच-नीच नहीं देखते। बिना किसी भेदभाव के उपहार बांटकर उनका मन आनंदित होता है। इससे पता चलता है कि सांता दयालुता और दूसरों की भलाई को बहुत अहम मानते हैं। खासकर बच्चे तो उन्हें बहुत प्रिय हैं। तभी तो क्रिसमस पर सांता हर बच्चे के लिए गिफ्ट छोड़ जाते हैं। तुम सबकी जरूरतों और इच्छाओं को समझते हैं। उनके व्यवहार के इस सुंदर पहलू से तुम भी नेकी की राह पर चलना सीख सकते हो। अपने आस-पास के लोगों की छोटी-छोटी इच्छाओं को समझकर उनके मददगार बन सकते हो।

कायम रखो भरोसा

सांता क्लॉज, किसी का भरोसा ना तोड़ने और उम्मीदों पर खरे उतरने की बहुत प्यारी-सी बात भी सिखाते हैं। साथ ही यह भी समझाते हैं कि हमें खुद भी हर परिस्थिति में आशावान रहना चाहिए। सांता, बच्चों के विश्वास पर खरा उतरने के लिए उन तक पहुंचने का हर संभव प्रयास करते हैं। बच्चों की चाहत वाले पत्र (विश लेटर) पढ़ते हैं। प्रार्थनाएं सुनकर उन्हें पूरा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वे बदले में किसी से कोई उम्मीद नहीं रखते। वे किसी का भरोसा नहीं तोड़ते हैं। बच्चो, घर के बड़े हों या टीचर्स, तुम्हारे लिए उनके मन में भी बहुत भरोसा होता है। अच्छी बातें सीखने का भरोसा, गलत रास्ते पर न चलने का भरोसा। बुरी भाषा और बर्ताव से बचने का भरोसा। तुम्हें उनके विश्वास को कभी नहीं तोड़ना चाहिए। बड़े होने पर यही अच्छी और सच्ची बातें तुम्हारे व्यक्तित्व को भी बहुत प्यारा और प्रभावी बना देंगी।

सबके प्रति समानता का भाव

बच्चो, सहायता के भाव के साथ समानता की सोच भी जरूरी है। यह बात भी सांता से सीखी जा सकती है। सांता अपनी पोटली में हर देश, हर वर्ग के बच्चों के लिए उपहार लेकर निकलते हैं। हर कल्चर और हर बैकग्राउंड के बच्चों को त्योहार की सौगात देते हैं। असल में सबकी भलाई का भाव लिए सांता का व्यवहार हर तरह से अच्छा बनने की ही प्रेरणा देता है। इसीलिए सांता क्लॉज से दया, ईमानदारी और मानवीय भावों को समझने की प्यारी सीख जरूर लेनी चाहिए।

अनुशासन और समर्पण

सांता क्लॉज अनुशासन की भी सीख देते हैं। साथ ही अपने काम को लेकर उनका समर्पण भी कमाल का है। दुनिया भर के बच्चों तक उपहार पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाने वाले सांता, हमें यह भी समझाते हैं कि किसी भी काम को करने का मन बना लिया जाए तो कुछ भी मुश्किल नहीं। कहा जाता है कि सांता पूरे साल बच्चों के लिए खिलौने बनाते हैं। क्रिसमस की रात उन्हें दुनिया के हर कोने में रहने वाले प्यारे बच्चों तक पहुंचाते हैं। क्रिसमस पर कई देशों में कड़ाके की ठंड पड़ती है। कहीं बर्फीले तूफान चलते हैं। बावजूद इसके सांता अपने काम को पूरा करते हैं, पूरी लगन से अपनी यह जिम्मेदारी निभाते हैं। जिस तरह से सांता अनुशासित होकर समर्पण से अपना काम सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, उसी तरह अच्छे से पढ़ाई करने की बात हो या अपनी पसंद के किसी खेल में माहिर होना हो। आलस्य पर जीत हासिल करना हो या अपनी हेल्थ का खयाल रखना हो। बच्चो, समर्पण और अनुशासन से सब कुछ किया जा सकता है। यह कभी न भूलो कि किसी लक्ष्य को पाने के लिए टाइम मैनेजमेंट, डिसिप्लीन और डेडिकेशन सबसे जरूरी होता है। यह खुद को ही नहीं अपने मम्मी-पापा, टीचर्स और फ्रेंड्स सभी को खुशी देने वाला गुण है।

अपना ध्यान रखने की प्रेरणा

दूसरों को खुशियां बांटने की सीख के साथ-साथ खुद अपनी देखभाल की समझ भी प्यारे सांता हमें देते है। दुनिया भर में गिफ्ट की डिलिवरी करते सांता, व्यस्तता में भी ब्रेक लेना नहीं भूलते। क्रिसमस पर जो तुम सांता के लिए दूध का गिलास और कुकीज घर के बाहर रखते हो, उन्हें खाने-पीने के लिए वे थोड़ा रुकते हैं, सुस्ताते हैं। यानी अपना खयाल भी रखते हैं सांता।

बच्चो, क्रिसमस पर सांता, खुशियों का संदेश बांटते हुए ही घूमते हैं। तुम उनसे हमेशा खुश रहने और खुशियां बांटने का पाठ सीख सकते हो। *

सेलिब्रेशन / पुष्पेश कुमार पुष्प

क्रिसमस से जुड़ी कुछ रोचक परंपराएं

इन दिनों पूरी दुनिया में क्रिसमस मनाने की तैयारी हो रही है। क्या तुमको पता है कि इस फेस्टिवल को कुछ देशों में बहुत अलग-रोचक तरीके से मनाया जाता है? इनमें से कुछ रोचक परंपराओं के बारे में तुम्हें यहां बता रहे हैं।

बच्चो, क्रिसमस का त्योहार पूरी दुनिया में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। कई देशों में क्रिसमस के साथ रोचक परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं। विभिन्न देशों में क्रिसमस मनाने का अपना अलग-अलग तौर-तरीका भी है।

सड़कों को सजाते हैं: पश्चिमी देशों में क्रिसमस के अवसर पर चर्च और इसके आस-पास की सड़कों को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। जगह-जगह तोरण द्वार बनाए जाते हैं एवं इन द्वारों के ऊपर क्रिसमस ट्री की डालियां सजाई जाती हैं। 'मैरी क्रिसमस' लिखे बैनर और होर्डिंग्स भी इन तोरण द्वारों पर लगाए जाते हैं।

लगाते हैं देव प्रतिमा: इंग्लैंड में क्रिसमस के अवसर पर क्रिसमस ट्री के पास देव प्रतिमा लगाने की परंपरा है। इस परंपरा की शुरुआत 19वीं सदी के मध्य में इंग्लैंड के तत्कालीन राजकुमार एल्बर्ट ने की थी। क्रिसमस वृक्ष पर देव प्रतिमा लगाने की परंपरा को बाद में कई देशों ने भी अपना लिया।

आतिशबाजी और झांकियां: क्रिसमस पर आतिशबाजी करने की परंपरा की शुरुआत सर्वप्रथम फ्रांस में हुई। बाद में क्रिसमस के मौके पर आतिशबाजी करने की इस परंपरा को अधिकतर देशों ने अपना लिया। अन्य देशों की तरह फ्रांस के निवासी भी मध्यरात्रि में चर्च में प्रार्थना करते हैं और सुबह संत निकोलस की प्रतिमा की झांकी निकालते हैं।

पुडिंग बनाते-खाते हैं: पुराने समय में क्रिसमस के अवसर पर आलू बुखारे से व्यंजन बनाए जाते थे। बाद में इस व्यंजन के तर्ज पर ही पुडिंग बनाने की परंपरा की शुरुआत हुई। अब लगभग सभी देशों में क्रिसमस के मौके पर पुडिंग बनाए जाते हैं।

लगाते हैं क्रिसमस ट्री

नीदरलैंड में क्रिसमस के मौके पर क्रिसमस ट्री लगाने की परंपरा है। साथ ही यहां के छोटे-छोटे बच्चे अपने हाथों में रंग-बिरंगे फूलों का गुलदस्ता और स्मॉल क्रिसमस ट्री लेकर चर्च जाते हैं। वहां ये फादर यानी चर्च के पादरी को गिफ्ट करते हैं और क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हैं।

बच्चे-बड़े करते हैं एंज्वॉय: ऑस्ट्रेलिया के लोग क्रिसमस के मौके पर समुद्र के किनारे जाते हैं और वहां बालू से खेलते हैं, एंज्वॉय करते हैं। मैक्सिको में क्रिसमस के अवसर पर बच्चों की आंखों पर पट्टियां बांध दी जाती हैं और फिर उन्हें मिट्टी के बर्तन तोड़ने के लिए कहा जाता है, जो उनसे कुछ दूर रखे होते हैं। इन बर्तनों में मिठाइयां या कुकीज भरी होती हैं। बर्तन टूटने के बाद ये मिठाइयां बच्चों में बांट दी जाती हैं। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

हिंदी में पढ़ो जापानी कहानियां

प्यारे बच्चो, इस बार हम तुम्हें जापानी भाषा में लिखी गई पांच कहानियों की एक किताब के बारे में बता रहे हैं, जिसका हिंदी अनुवाद अभी छपकर आया है। इस किताब का शीर्षक 'अचरज ग्रह की दंतकथा' है। इसके लेखक हैं ताजिमा शिंजी। बच्चो, जब हम दूसरे देशों में लिखी गई कहानियों को पढ़ते हैं तो अलग भौगोलिक तथा सामाजिक परिस्थितियों से परिचित होते हैं। हमारी कल्पना शक्ति को और विस्तार मिलता है। यहां भी बिलकुल ऐसा ही है। बड़ी निराली कहानियां हैं पांचों। पहली कहानी, एक लोमड़ी के आदमी बनकर पछताने की रोचक कहानी है। दूसरी कहानी, आकाशगंगा के एक छोटे से ग्रह के लोगों के हमारी पृथ्वी के प्रति आकर्षण और हमसे उनकी उम्मीद की कहानी है। बाकी तीन कहानियां भी तुम्हें अलग-अलग दुनिया में ले जाएंगी। ये कहानियां हम सभी से अच्छा इंसान बनने की उम्मीद करती हैं। ये सभी कहानियां तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताब: अचरज ग्रह की दंतकथा (जापानी कहानियां), **लेखक:** ताजिमा शिंजी, **हिंदी अनुवाद:** हरीश नारंग, **मूल्य:** 75 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

बूझो तो जानें

1 आधी रात को घर में आता
उपहारों का थैला लाता
बच्चों के तकिए के नीचे
चुपके से उनको सरकाता

2 पेड़ सजाते पेस्ट्री खाते
सब मिल-जुलकर कर कैरल गाते
झूम-झूमकर नाच-नाचकर
जन्मदिवस एक खास मनाते

3 चीड़ कहो या देवदार
यह पेड़ है सदाबहार
इस पर हम उपहार सजा कर
खूब मनाते हैं त्योहार

- आशा शर्मा

उत्तर : 1.सांता क्लॉज, 2.क्रिसमस, 3.क्रिसमस ट्री

जीके क्विज-184

1. हाल ही में किस भारतीय त्योहार को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है?
2. टेस्ट, ओडीआई और टी-20 क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी कौन बने हैं?
3. भारत रत्न से सम्मानित पहले विदेशी नागरिक कौन थे?
4. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के किस राज्य में स्थित है?
5. भारत का अंतिम वायसराय कौन था?
6. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?
7. उज्जैन किस नदी के किनारे बसा है?
8. वर्ष का सबसे छोटा दिन और सबसे बड़ी रात किस तारीख को होती है?
9. हाल ही में किस भारतीय महिला रेसलर ने संन्यास से वापसी की घोषणा की है?
10. मूर्ति देवी पुरस्कार किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है?

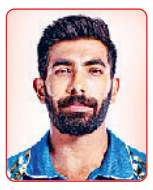

बच्चो, जीके क्विज-184 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-183 का उत्तर : 1.गुजरात, 2.मंगूभाई छगनभाई पटेल, 3.फॉर्मिक एसिड, 4.शतरंज, 5.इंडोनेशिया, 6.पेरिस, 7.मौलाना अबुल कलाम आजाद, 8.एडोल्फ हिटलर, 9.पेडोलॉजी, 10.नाइट्रोजन

जीके क्विज-183 का सही उत्तर देने वाले : चेतन-बालोद, देवेश-रायपुर, हर्ष-बिलासपुर, अंचित-दुर्ग, कन्हैया-महासमुंद, प्रवीण-रोहतक, हर्षिता-बलौदा बाजार, केशव-भोपाल, कनिष्क-धमतरी, प्रियांशु-हिसार, लक्ष्य-मटियारी

कहानी
हरीश कुमार 'अमित'

क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए पीटर ने खूब सारी शॉपिंग की प्लानिंग की थी। लेकिन शॉपिंग के लिए जब वह अपने दोस्त माइकल और उसकी मम्मी के साथ मार्केट जा रहा था तो उसने कुछ सोचकर अपनी प्लानिंग ही बदल दी। ऐसा क्या हुआ कि पीटर की शॉपिंग प्लानिंग बदल गई।

क्रिसमस की खुशियां

एआई इमेज

शाम को अपने दोस्तों के साथ खेलकर पीटर कुछ जल्दी घर लौट रहा था। वह बड़ा उत्साहित था क्योंकि अगले दिन क्रिसमस था। इसीलिए आज उसे अपनी मम्मी के साथ क्रिसमस की खरीदारी करने बाजार जाना था। अपने घर पहुंचकर उसने बेल बजाई, लेकिन मम्मी को दरवाजा खोलने में थोड़ी देर लग गई।

'मम्मी, क्या हुआ दरवाजा खोलने में बहुत देर कर दी आपने?' कमरे में प्रवेश करते हुए पीटर ने पूछा।

'बेटा, मुझे अचानक बहुत तेज बुखार हो गया है, इसलिए बिस्तर से उठकर दरवाजे तक आने में थोड़ी देर हो गई।' मम्मी ने जवाब दिया।

'मम्मी, अब आप जल्दी से तैयार हो जाओ। हमें मार्केट जाना है न, क्रिसमस की शॉपिंग के लिए।' पीटर अपनी ही धुन में बोला, जैसे उसने मम्मी की बात सुनी ही न हो। उसे बाजार जाने की जल्दी जो थी।

'बेटा, अभी बताया न! मेरी तबीयत खराब है। मुझसे उठा भी नहीं जा रहा। मैं तो तुम्हारे साथ मार्केट जा नहीं पाऊंगी।' मम्मी ने दरवाजा बंद कर, अंदर आते हुए कहा।

मम्मी की बात सुनकर पीटर मायूस होकर बोला, 'मम्मी, तो फिर क्रिसमस की शॉपिंग कैसे हो पाएगी? पापा भी इस बार छुट्टी लेकर घर नहीं आ पाए!'

पीटर के पापा सेना में हैं। इन दिनों उनकी पोस्टिंग घर से बहुत दूर देश के सीमावर्ती राज्य में है। क्रिसमस के त्योहार पर उन्हें एक सप्ताह की छुट्टी लेकर घर आना था, मगर किसी इमरजेंसी ड्यूटी की वजह से उन्हें छुट्टी नहीं मिल पाई और वे घर नहीं आ सके थे। पीटर को उदास देखकर मम्मी बोलीं, 'बेटा, तुम चिंता मत करो। मैंने पड़ोस में रहने वाले माइकल की मम्मी से बात कर ली है। वे माइकल को लेकर कुछ ही देर में क्रिसमस की शॉपिंग के लिए मार्केट जाएंगी। मार्केट जाते हुए वे हमारे घर आ जाएंगी और तुम्हें भी अपने साथ ले जाएंगी। तुम्हें जो-जो खरीदना हो, वे खरीदवा देंगी। तुम्हारा सामान खरीदने के लिए मैं उन्हें पैसे दे दूंगी। अब तुम उनके साथ मार्केट जाने के लिए फटाफट तैयार हो जाओ। मैं दवाई खाकर थोड़ा रेस्ट करूंगी।'

पीटर बाजार जाने के लिए तैयार होने लगा। थोड़ी देर बाद माइकल और उसकी मम्मी आ गए। पीटर उनके साथ बाजार चला गया।

बाजार जाते हुए रास्ते में पीटर ने माइकल से कहा, 'मैं तो बड़ा-सा क्रिसमस ट्री लूंगा और उसको सजाने के लिए बहुत सी मोतियों की लड़ियां, रिबन, स्टार्स और मोमबत्तियां भी खरीदूंगा! बड़ा वाला केक और ढेर सारी चॉकलेट भी लूंगा!'

'ये सब चीजें तुम अपने लिए ही लोगे क्या?' पीटर की बात सुनकर माइकल ने पूछा। 'हां, अपने लिए ही तो लेना है यह सब। क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए।' पीटर ने उत्साहित होकर बताया।

'वो तो ठीक है, लेकिन क्रिसमस पर दूसरों की मदद करने के लिए तुम क्या करोगे?' माइकल ने उससे सवाल किया।

'मदद.. मदद किसकी? क्रिसमस तो हमें खुद ही मनाना है न! इसमें दूसरों की मदद क्या करनी है?' पीटर ने हैरानी से पूछा।

'देखो पीटर, हम तो क्रिसमस पर अपने लिए थोड़ा कम सामान खरीदते हैं ताकि गरीब लोगों के लिए गर्म मोजे, चॉकलेट वगैरह भी खरीद सकें। क्रिसमस वाले दिन चर्च के बाहर और आस-पास झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब लोगों में हम वो चीजें बांट देते हैं।' माइकल ने बताया।

'हां बेटा, क्रिसमस पर गरीब लोगों को दान इसलिए दिया जाता है ताकि वे भी हंसी-खुशी यह त्योहार मना सकें।' माइकल की मम्मी ने पीटर को समझाते हुए कहा।

माइकल और उसकी मम्मी की बातें सुनकर पीटर सोच में पड़ गया। उसने तो मम्मी से जिद करके माइकल की मम्मी को ज्यादा पैसे दिलवाए थे ताकि वे उसे खूब सारी खरीदारी करवा सकें। लेकिन उसे माइकल और उसकी मम्मी की बातें सही लग रही थीं।

कुछ देर बाद वे लोग बाजार पहुंचे और उन्होंने क्रिसमस की खरीदारी शुरू की। पीटर ने बड़े के बजाय एक छोटा क्रिसमस ट्री लिया। ट्री की सजावट के लिए सामान लिया लेकिन थोड़ा कम। केक भी कुछ छोटा लिया ओर चॉकलेट भी थोड़ी कम खरीदी। इससे बचे पैसों से उसने कुछ गर्म मोजे, टॉफियां, छोटे केक और बिस्कुट के पैकेट खरीदे। ये सब खरीदते हुए वह सोच रहा था कि इन्हें वह अगले दिन गरीब बच्चों में बांट देगा। सारी खरीदारी करके पीटर जब घर पहुंचा तो वह बहुत खुश था। उसे लग रहा था कि इस बार के क्रिसमस की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। *

कविता
सूर्यकुमार पांडेय

सांता क्लॉज

कलंगी वाली टोपी सिर पर,
कौन अरे, यह सांता क्लॉज!
जिंगल बेल लेकर हाथों में,
मेरे घर पर आए आज।
भरा गिफ्ट से थैला भारी,
मद्धिम-मद्धिम इनकी चाल।
चले बांटने खुशियां सबको,
भेंट कराते पूरे साल।
नरम रुई-सी उजली दाढ़ी,
नाक गुलाबी, फूले गाल।
गोल-गोल आंखें सांता की
गोल नाक भी बड़ी कमाल।
सो जाते जब हम सब बच्चे,
मोजे में तोहफे दें डाल।
छू-मंतर हो जाते, कहकर,
'फिर आऊंगा अगले साल!'

अंतर बताओ

बच्चो, यहां सांता क्लॉज के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। वैसे तो ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट आठ अंतर खोजो।

एक अलग चित्र को ढूंढो

बच्चो, यहां दिए गए चित्रों में एक को छोड़कर बाकी सभी सांता क्लॉज, पेयर यानी जोड़े में हैं। एक चित्र ऐसा है, जिसका सेम पेयर नहीं है। तुम्हें उस अकेले सांता के चित्र को खोजकर उसके चारों ओर पेन या पेंसिल से सर्कल बनाना है।

खबर संक्षेप

आरएसएस कार्यकर्त्ता को मातृशोक

नारनौल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला व्यवस्था टोली सदस्य एवं गौड़ ब्राह्मण सभा नारनौल के सदस्य गांव अटाली निवासी मणिप्रकाश शर्मा की 98 वर्षीय माता शांति देवी का निधन हो गया। उनके ज्येष्ठ पुत्र ज्योतिषी आचार्य पंडित ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि उनकी माता बहुत ही धार्मिक प्रवृति की महिला थी। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

शांति देवी।

वरिष्ठ नागरिक संगठन करेगा सम्मानित

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से 90 वर्ष के नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। इसको लेकर आवेदनकर्ता दो जनवरी तक संगठन कार्यालय में आवेदन कर सकते है। इस संबंध में संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि उनके संगठन की ओर से 11 जनवरी को किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम, जिसमें संगठन कार्यालय स्थित है, में उन वृद्धजन को संगठन की ओर से सम्मानित किया जाएगा, जिन्होने इस वर्ष के अन्त अर्थात 31 दिसम्बर 2025 को अपनी आयु के 90 वर्ष पूरे कर लिए हों। ऐसे पात्र उम्मीदवार को संगठन द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर उसके साथ एक पासपोर्ट फोटो व जन्मतिथि का कोई भी प्रमाणपत्र साथ लगाना होगा। ये आवेदन पत्र संगठन कार्यालय मे दो जनवरी को दोपहर एक बजे तक जमा करवाना होगा। निर्धारित आवेदन पत्र संगठन कार्यालय किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम से किसी भी दिन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

राव हरिशचंद्र आर्य की छठी पुण्यतिथि मनेगी

नारनौल। ग्राम बिगोपुर में 24 व 25 दिसंबर को हर वर्षों की भांति इस वर्ष भी आर्य समाज अपना 33वां वार्षिकोत्सव एवं राव हरिश्चंद्र आर्य की छठी पुण्यतिथि बड़ी धूमधाम से मनाएगा। आर्य समाज बिगोपुर के मंत्री मास्टर शेरसिंह आर्य ने बताया कि लोग खासकर युवा 24 व 25 दिसंबर को वैदिक सत्संग की ज्ञान गंगा में डुबकी लगाकर अपना जीवन सफल बनाएं। इस बार विद्वान भजनोपदेशक स्वामी हसानंद, डा. कैलाश कर्मठ, कोलकाता से पंडित अजय आर्य, मेरठ से अमृता आर्य दिल्ली, मास्टर हरिसिंह आर्य गादोज, महाशय बेगराज आर्य दताल, सतवीर आर्य दताल, रामावतार पुरुषार्थ बिहाली एवं क्षेत्रीय भजनोपदेशक पधार रहे हैं।

बलाना पहुंची खेजड़ी बचाओ जन चेतना यात्रा

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलाना प्रांगण में प्राचार्य स्वतन्त्र कुमार की अध्यक्षता में खेजड़ी बचाओ जन चेतना यात्रा का राष्ट्रीय संयोजक कमल यादव पूर्व रेंज अधिकारी वन विभाग के नेतृत्व में आगमन हुआ। जिसका स्वागत बलाना के सरपंच बिंदर, गांव गणमान्य व्यक्तियों, अध्यापकों व छात्रों ने किया। यह यात्रा 18 नवम्बर से गांव झुप्पा जिला भिवानी से शुरू हुई ।

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा: सुबोध

मंडी अटेली। शिक्षाविद एवं लेखक सुंदर लाल सुबोध ने अपनी सुपौत्री का जन्मदिन शांति कुंज प्रभुजन निवास बेगपुर में दिव्यांग जनों के साथ मनाया। वहीं कुमारी सावी ने आश्रम में निवास कर रहे प्रभुजन के साथ केक काटा।

उन्नत कृषि क्रियाएं अपनाकर पैदावार बढ़ाएं

महेंद्रगढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र की ओर से केन्द्र परिसर में सरसों फसल की उन्नत कृषि क्रियाएं विषय पर दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों को सरसों की अच्छी पैदावार के लिए उन्नत कृषि क्रियाओं के बारे में बताया गया । केन्द्र के वरिष्ठ संयोजक व कीट वैज्ञानिक डॉ. जयलाल यादव ने उपस्थित किसानों व महिलाओं को सरसों फसल के लगाए हुए हैं।

सामाजिक संगठनों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सांसद ने सब डिपो शुरू कराने को नहीं लिखा पत्र : पाटोदा

जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

समाधान शिविर के दौरान सामाजिक संगठनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार को सौंपा। जिसके माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने जिले की लंबित विकास समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि जिला लंबे समय से विकास कार्यों में उपेक्षित रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिले के पास आज तक पूर्ण रूप से विकसित मुख्यालय तक नहीं है। करीब चार से पांच वर्ष पूर्व जनता की मांग पर महेंद्रगढ़ में रोडवेज का सब डिपो बनाया गया था, जो आज भी बनकर तैयार है, लेकिन संचालन शुरू न होने के कारण जर्जर अवस्था में पहुंचता जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। जिसका खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। रोडवेज बस सेवाओं का लाभ लोगों को नाममात्र ही मिल पा रहा है। रामनिवास पाटोदा ने कहा कि भिवानी महेंद्रगढ़ सांसद चौ. धर्मबीर सिंह द्वारा परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों को पत्र लिखे जाने के बाद क्षेत्र के सामाजिक संगठनों व ग्राम पंचायतों में रोष व्याप्त है। सांसद की ओर से किसी एक विशेष रूट को टारगेट कर बसों के संचालन को असंतुलित बताना, जनविरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संबंधित रूट से पांच विधानसभा क्षेत्रों के 50 से अधिक गांव जुड़े हुए हैं। जहां निजी परिवहन की कोई समुचित सुविधा नहीं है और हजारों लोग प्रतिदिन इन बसों पर निर्भर हैं।

रेलगाड़ियों का ठहराव भी नहीं

उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद को चाहिए था कि वे महेंद्रगढ़ में बनकर तैयार रोडवेज सब डिपो व वर्कशॉप को शुरू कराने के लिए प्रयास करते, ताकि ग्रामीण व लंबी दूरी के रूटों पर बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके, लेकिन पिछले पांच वर्षों में न तो सब डिपो, न बाईपास, न ही रेलगाड़ियों के ठहराव अथवा सुबह छह से सात बजे के बीच रेवाड़ी दिल्ली ईएमयू ट्रेन चलाने को लेकर कोई पत्र लिखा गया। सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी कि सांसद द्वारा परिवहन विभाग को लिखे गए इस पत्र के विरोध में ग्राम पंचायतें शीघ्र ही लामबंद होंगी और इस कदम का खुलकर विरोध किया जाएगा। लाभान्वित गांवों के गणमान्य लोग आगामी रणनीति तय करेंगे।

रोजगार व शिक्षा पर देना चाहिए ध्यान

उन्होंने बताया कि इन बस सेवाओं से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में युवा, बेरोजगार, विद्यार्थी, कर्मचारी और किसान रेवाड़ी, धारूहेड़ा, मानेसर व गुरुग्राम का आवागमन करते हैं। यदि सांसद इस मार्ग पर बसों की संख्या कम कराना चाहते हैं, तो उन्हें क्षेत्र में ही रोजगार व उच्च शिक्षा की व्यवस्था पर भी ध्यान देना चाहिए। संगठनों ने मांग की है कि सांसद द्वारा लिखवाए गए पत्र की जांच कराई जाए, क्योंकि इस तरह के कदम भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले हैं।

उत्कृष्ट परीक्षा पर आरोही स्कूल में शिक्षकों को किया सम्मानित

नारनौल। सम्मान समारोह में मौजूद अध्यापक। *फोटो: हरिभूमि*

- बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं परिमाणात्मक आधार पर कक्षा दसवीं और बारहवीं दोनों में पहला स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंढाणा ने पूरे हरियाणा प्रदेश में बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं परिमाणात्मक आधार पर कक्षा दसवीं और बारहवीं दोनों में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि की हैट्रिक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल समिति के व्यवस्थापक सज्जन सिंह, अंग्रेजी प्रवक्ता राजेश कुमार व समिति सदस्यों ने विद्यालय में पहुंचकर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए आरोही विद्यालय के प्राचार्य लीलू राम यादव, अध्यापक, प्राध्यापक व सहयोगी स्टाफ को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा भविष्य में इसी प्रकार काम करने के लिए प्रेरित किया।

सम्मान से शिक्षकों को मिलेगी नई ऊर्जा

समिति सदस्यों ने विद्यालय प्राचार्य व स्टाफ को पवित्र पुस्तक गीता व सत्यार्थ प्रकाश भेंट करके प्रोत्साहित किया। सज्जन सिंह ने बताया कि विद्यालय के अध्यापकों की कार्यशैली से वह बेहद प्रभावित है। सभी अध्यापक ईमानदारी से अपना अध्यापन कार्य कर रहे हैं, जिसके परिणाम स्वरुप विद्यालय हर बार बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। विद्यालय प्राचार्य लीलूराम यादव ने सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल समिति नारनौल के व्यवस्थापक व सदस्यों द्वारा विद्यालय में पहुंचकर विद्यालय स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया तथा बताया कि आपके द्वारा दी गई प्रेरणा व सम्मान से हमें और अधिक उत्साह के साथ काम करने की ऊर्जा प्राप्त होगी। इस मौके पर मुकेश कुमारी, नीलम रानी, सीमा कुमारी, डॉ पूनम, डॉ ज्योति सैनी, निशा यादव, मनीषा, राजपाल चंदेला, अशोक बडेसरा, नितेश कुमार, सतवीर शर्मा, कुलदीप सिंह, सुषमा शर्मा, डॉ कुसुम लता, संजु, आशा यादव, आशा देवी, बजरंग लाल, इंद्रपाल, मुकेश कुमार, गुलाब सिंह, करतार वर्मा, मधु यादव, सुनील, गोयनका व बबीता आदि उपस्थित रहे।

शिकायतों का समय से करें समाधान

- सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लग रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक डीसी कैप्टन मनोज कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में वीरवार को लघु सचिवालय एसडीएम कार्यालय के कोर्ट रूम में आयोजित समाधान शिविर में डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने आमजन की शिकायतें सुनी। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों का तय समय में निपटान करवाना सुनिश्चित करें। इस दौरान डीएमसी रणवीर सिंह व एसडीएम कनिका गोयल मौजूद रही। इस मौके पर डीएसपी दिनेश कुमार, तहसीलदार अजय कुमार, नपा सचिव गौरव कुमार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। शिविर में शिकायतें सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। *फोटो: हरिभूमि*

67 शिकायतें आई

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निवारण किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आमजन की शिकायतों के निवारण की दिशा में तत्परता से कार्रवाई कर राहत पहुंचाने का काम करें। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, अवैध कब्जे, बिजली कनेक्शन, पुलिस विभाग से संबंधित 67 शिकायतें आई। जिनमें से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवा दिया गया। वहीं लंबित शिकायतों के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फोटोग्राफी संचार का सबसे बेहतरीन साधन

- सिंघानिया विश्वविद्यालय में एक दिवसीय सेमिनार आयोजि

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

सिंघानिया विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ जर्नलिज्म और मास कॉम्यूनिकेशन की ओर से फोटोग्राफी और सोशल मीडिया विषय पर एक दिवसीय मीडिया सेमिनार आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने की। उन्होंने कहा कि मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है, जिसका हम अपने दैनिक जीवन में निरंतर प्रयोग करते हैं। फोटोग्राफी के अतीत पर बात करते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि आज इस क्षेत्र में लगातार नए प्रयोग किए जा रहे हैं।

आज फोन ने कैमरे की उपलब्धता को सरल कर दिया है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी संचार का सबसे बेहतरीन साधन है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के डॉ. सुरेंद्र एवं डॉ. आलेखा सचिदानंद नायक, बिट्स पिलानी के प्रोफेसर ऋषिकेश वैद्य, विवेकानंद कॉलेज प्रबंधक डॉ. अशोक सिंह शेखावत, विनोदिनी इंटीट्यूट ऑफ एजुकेशन प्राचार्य डॉ. संतोष सैनी, श्री करणी गर्ल्स पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. संदीप जांगिड़, महात्मा गांधी कॉलेज प्राचार्य दीपचंद लेखवान मुख्य वक्ता के रुप में शामिल हुए। सेमिनार में प्रोफेशनल फोटोग्राफर और मेंटोर अधिकारी विरेंद्र ने कैमरा और उसके प्रयोग एवं सोशल मीडिया पर जानकारी प्रदान की।

नारनौल। अतिथियों का स्वागत करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

लोकार्पण

उद्घाटन सत्र में प्रो. ऋषिकेश ने कहा कि मीडिया एक सेतू है, जो एक व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक पहलूओं से जोड़ता है। डॉ. आलेख ने कहा कि फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का सबसे उत्तम तरीका है। यह फोटोग्राफर के विवेक पर निर्भर होता है कि वह क्या देखना और क्या दिखाना चाहता है। सेमिनार में स्वागत वक्तव्य परिसर निदेशक प्रो. पीएस जस्सल ने दिया। प्रथम सत्र के अंत में अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय के 2026 कैलेंडर का लोकार्पण किया। रिसोर्स पर्सन अधिकारी विरेंद्र द्वारा फोटो लेने की कला सिखाई। विद्यालय स्तर पर प्रथम पुरस्कार चेतन धाना, द्वितीय पुरस्कार विवेक बलाहा कलां व तृतीय पुरस्कार गवर्मेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल कृष्ण नगर ने हासिल किया।

जोहड़ों में पानी भरवाने की लगाई गुहार

- नहरी पानी संघर्ष समिति ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन
- निजामपुर ब्लॉक बीते 10 साल से राजनीति भेदभाव झेल रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नहरी पानी संघर्ष समिति ने प्रधान महावीर चंदेला की अध्यक्षता में नायब तहसीलदार की मार्फत मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें नलवाटी और गुजरवाटी के गांवों में सूखे पड़े जोहड़ों में पानी भराने की गुहार लगाई है। उन्होंने बीते दस साल में राजनीतिक भेदभाव को प्राथमिकता देकर नहरी पानी से वंचित करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि निजामपुर ब्लॉक के अधिकांश गांव नहरों से अटेच नहीं, जिस कारण ग्रामीणों की खेतीबाड़ी बारिश पर निर्भर बनी हुई है। भाजपा सरकार ने नहरी पानी का समान बंटवारा करके प्रत्येक खेत और टेल तक सप्लाई पहुंचाने की योजना बनाई थी। योजना के मुताबिक कई गांवों में पाइप दबाकर जोहड़ भरे भी गए हैं। लेकिन निजामपुर ब्लॉक बीते 10 साल से राजनीति भेदभाव झेल रहा हैं। खंड के गांव पवेरा, सलामपुरा, नयागांव, गांवड़ी जाट, सरेली, मूसनोता, पाचनोता, बायल, गोलवा, नांगल दुर्गू, बखरीजा, गांगोताना में जोहड़ सूखे पड़े हैं। भूजलस्रोत सूखने की वजह से कृषि बोरवेल भी बंद हो चुके हैं।

नांगल चौधरी। नायब तहसीलदार की अनुपस्थिति में कर्मचारी को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपते प्रधान महावीर चंदेला। *फोटो: हरिभूमि*

रणनीति बनाई

पानी के आभाव में ग्रामीणों को पशुपालन व्यवसाय करना मुश्किल हो गया तथा खेतीबाड़ी सिर्फ बारिश के सीजन तक सिमट गई है। ग्रामीणों की समस्या को लेकर नहरी पानी किसान संघर्ष समिति ने वीरवार की सुबह मीटिंग का आयोजन किया, जिसमें तहसीलदार की मार्फत सीएम को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया है। बावजूद विभाग ने सूखे जोहड़ों में पानी नहीं भराया गया तो जिला मुखियालय पर धरने-प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रघूबीर, मूलचंद, होशियार सिंह, रामोतार नंबरदार, बाबूलाल, प्रदीप, कृष्ण कुमार, बिक्रम सिंह इत्यादि मौजूद रहे हैं।

प्रश्नोत्तरी में लक्ष्य ने मारी बाजी

- खंड स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात एवं राजमार्ग करनाल के तत्वाधान में 20 नवंबर को द्वितीय स्तर की सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जोकि खंड स्तर पर संपन्न हुई। इस खंड स्तरीय प्रतियोगिता का समापन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली में संपन्न हुआ। इस खंड स्तर की प्रतियोगिता में अटेली खंड के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी मुकाबले का परिणाम घोषित किया गया है, जिसमें विद्यालय के आठवीं कक्षा के छात्र लक्ष्य पुत्र हरपाल सिंह ने लेवल दो के मुकाबले में पूरे अटेली खंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नारनौल। विजेता को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

उज्ज्वल भविष्य की कामना

विद्यालय प्रबंधन ने विजेता विद्यार्थी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अध्यक्ष सियाराम यादव ने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्रियात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है जिससे न केवल विद्यार्थियों का पढ़ाई के प्रति आकर्षण बढ़ता है बल्कि उनका सर्वांगीण विकास होता है।

क्लैट परीक्षा में हैप्पी स्कूल के नयन ने को मिली सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए यह गर्व का विषय है कि विद्यालय के कक्षा 12वीं के छात्र नयन पुत्र गजेंद्र सिंह वासी डुलाना ने देश की प्रतिष्ठित कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) परीक्षा में 131वीं अखिल भारतीय रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नयन ने यह उपलब्धि मात्र दो माह की तैयारी में हासिल की। क्लैट परीक्षा में कुल 119 अंकों में से 89.75 अंक प्राप्त कर उसने अपनी प्रतिभा और परिश्रम का उत्कृष्ट परिचय दिया। नयन से बातचीत में उसने बताया कि उसने किसी भी प्रकार की विशेष कोचिंग नहीं ली। यह सफलता उसके अध्ययन, अध्यापकों की निरंतर प्रेरणा तथा माता, पिता के सहयोग का परिणाम है। नयन का कहना है कि विद्यालय में विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव इतनी मजबूत बनाई जाती है, कि उन्हें बाहर जाकर कोचिंग लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती और वे आत्मविश्वास के साथ किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को उत्तीर्ण कर सकते हैं। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल ने बधाई दी।

छात्र नयन।

प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल ने दी बधाई

अनदेखी ग्रामीणों ने प्रशासन से जीर्णोद्धार करने की मांग की

उचित संरक्षण के अभाव में कूड़ाघर बन रही ताजपुर की ऐतिहासिक जल बावड़ी

- पंडित गौरी शंकर के पुत्र रामप्रताप और अन्य लोगों ने करवाया था निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

ऐतिहासिक और धरोहर ताजपुर की बावड़ी स्थानीय प्रशासन की उपेक्षा के कारण कूड़ाघर बन कर रह गई है। गांव के लोगों ने स्थानीय प्रशासन से इस बावड़ी का जीर्णोद्धार करने की मांग की है। ताजपुर बावड़ी का निर्माण पंडित गौरी शंकर के पुत्र रामप्रताप और अन्य लोगों ने करवाया था, जो इसकी ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है। यह बावड़ी लगभग 150 फिट लंबी और 20 फिट चौड़ी है तथा जमीन से लगभग 80 फिट की गहराई तक निर्मित है।

मंडी अटेली। देख-रेख अभाव में खंडहर बनी ताजपुर की बावड़ी। *फोटो: हरिभूमि*

सीढ़ियां भी लगी

इस बावड़ी के निम्न तल तक पहुंचने के लिए इसमें सीढ़िया भी लगी हुई हैं। ताजपुर निवासी मास्टर जगमाल सिंह, पंचायत समिति सदस्य राजाराम, सूबेदार बनवारी लाल, नेवी पेटी ऑफिसर मनोज शर्मा, शिवकुमार, बाबूलाल, अशोक सेठ तथा रोहतास पटवारी इत्यादि ने बताया कि कुएं से सीधे तौर पर जुड़े होने के कारण यह बावड़ी सदैव शुद्ध जल से परिपूर्ण रहती थी। जो गांव के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत था। स्थानीय निवासियों ने बताया कि आसपास के गांवों के पुरुष महिलाएं और बच्चे भी इस बावड़ी को देखने के लिए आते थे, लेकिन संरक्षण और देख रेख के अभाव में यह बावड़ी, खंडहर में तब्दील होती चली गई।

सांसद को भी लिखा था पत्र: सरपंच

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस बावड़ी को अपने संरक्षण में लेने और इसका जीर्णोद्धार करने की मांग की है, ताकि इसकी ऐतिहासिक और कलात्मक महत्व को बचाया जा सके। इस बारे में सरपंच राजकुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ताजपुर की जल बावड़ी के बारे में भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह को भी इसके बारे में एक पत्र दिया गया है, परंतु इसके बारे में अभी तक किसी भी अधिकारी ने कोई संज्ञान नहीं लिया है।

खबर संक्षेप

गुरूद्वारे में कीर्तन व लंगर का आयोजन

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के रेलवे रोड़ पर स्थित बाबा बंदा सिंह बहादुर गुरूद्वारा में श्री सहिज पाठ, वाहेगुरू सिमरन सहित लंगर का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए गौरव हंस ने बताया कि इस गुरूद्वारा की नींव स्व. सरदार प्रताप सिंह हंस द्वारा रखी गई व इसका नवनिर्माण उनके पुत्र व पौत्रों द्वारा लगभग 15 वर्ष पहले करवाया गया जिसमें साध संगत के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित होता है।

पूर्व सीएम की पहली बरसी पर प्रार्थना सभा की तैयारी

भिवानी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की पहली बरसी के अवसर पर इनेलो कार्यकर्ताओं ने अपनी कमर कस ली है। इस संबंध में हल्का बवानीखेड़ा के इनेलो कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक सुनील लांबा के बवानीखेड़ा फार्म हाउस पर आयोजित की गई।

बीपीएल परिवारों का निवाला छीन लिया सरकार ने: सविता

भिवानी। हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व महासचिव सविता मान ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की लूट, धोखा, वसूली, और मुनाफाखोरी वाली सरकार ने वर्ष-2025 में अक्टूबर तक 13.50 लाख गरीब बीपीएल परिवारों का निवाला छीन लिया है। विधानसभा चुनाव 2024 से पहले भाजपा सरकार ने ही हरियाणा के 70 फीसदी आबादी का गरीबी रेखा के नीचे होना स्वीकार किया था।

रक्त की कमी से जूझ रहे मरीज की बचाई जान

भिवानी। इलाज की सुविधा होने के बाद भी कई बार लोगों के जीवन की डोर सिर्फ टूट जाती है, क्योंकि उन्हें समय पर खून उपलब्ध नहीं हो पाता। रक्तदान से किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। आज इसी कड़ी में भिवानी के निजी अस्पताल मे दाखिल भर्ती अनेमिया पीड़ित पुरुष के लिए रेयर ब्लड ग्रुप बी नेगेटिव फ्रेश रक्त की आवश्यकता पड़ी तो शतकवीर रक्तदाता ने सूचना सोशल मीडिया में डाली।

मास्टर प्यारेलाल राज्य शिक्षक पुरस्कार एवं शतकवीर रक्तदाता स्टेट अवार्ड से हो चुके थे सम्मानित

भिवानी जिले में रक्तदान की अलख जगाने वाले पहले शतकवीर रक्तदाता प्यारेलाल सांगवान का निधन

⏭तत्कालीन राज्यपालों एवं तत्कालीन मुख्यमंत्रियों से पाया अनेक बार सम्मान ⏭ 72 वर्षीय प्यारेलाल सांगवान 106 बार कर चुके थे रक्तदान, युवाओं के लिए थे प्रेरणास्त्रोत ⏭जिलेभर में घूम-घूमकर रक्तदान के लिए किया जागरूक, युवाओं को अभियान से जोड़ा

हरिभूमि न्यूज⏭ लोहारू

जिलेभर में घूम-घूमकर रक्तदान की अलख जगाने वाले एवं युवाओं को रक्तदान अभियान से जोड़ने वाले पहले शतकवीर रक्तदाता मास्टर प्यारेलाल सांगवान का गत देर रात निधन हो गया। वे करीब 72 वर्ष के थे और 106 बार रक्तदान कर चुके थे। पूरे हरियाणा में रक्तदान के लिए युवाओं प्रेरित करने वाले प्यारेलाल सांगवान का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव दमकोरा में किया गया। उनके निधन से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मास्टर प्यारेलाल मार्च 2015 में सेहर गांव के राजकीय उच्च विद्यालय से बतौर मुख्याध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उल्लेखनीय है कि दमकोरा गांव के किसान जगत सिंह के घर 22 अगस्त 1954 को जन्म लेने वाले मास्टर प्यारेलाल अपने पीछे दो पुत्र डॉ. विश्वेन्द्र सांगवान, डॉ. विवेक सांगवान, बेटी विनीता श्योराण व पत्नी को छोड़ गए हैं। प्यारेलाल सांगवान ने पहली बार 5 मई 1984 को 30 वर्ष की आयु में रक्तदान किया था। इसके बाद मास्टर प्यारेलाल को मानो रक्तदान करने और करवाने का जुनून सवार हो गया। उन्होंने जिलेभर में घूम-घूमकर युवाओं को रक्तदान मुहिम से जोड़ा और खुद रक्तदान कर दूसरे को भी रक्तदान करने के लिए जागरूक किया। मास्टर प्यारेलाल की स्वैच्छिक रक्तदाता समूह में वर्तमान में करीब 350 से अधिक सदस्य हैं और मास्टर प्यारेलाल जिले के पहले शतकवीर रक्तदाता हैं, जो 106 बार रक्तदान कर चुके थे। मास्टर प्यारेलाल मार्च 2015 में राजकीय उच्च विद्यालय सेहर से बतौर मुख्याध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए थे तथा सेवानिवृत्ति पर स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें उनकी टीम के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया था।

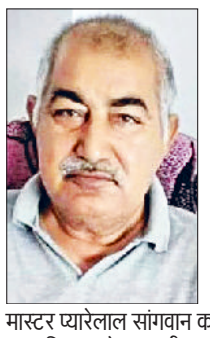

मास्टर प्यारेलाल सांगवान का फाइल फोटो व शिक्षा एवं समाजसेवा में बेहतर सेवा के लिए मास्टर प्यारेलाल सांगवान को सम्मानित करते तत्कालीन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। फोटो : हरिभूमि

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भी किया सम्मानित

रक्तदान एवं शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने पर मास्टर प्यारेलाल सांगवान को पहली बार वर्ष 1997 में हरियाणा के तत्कालीन राज्यपाल महावीर प्रसाद ने सम्मानित किया था। वर्ष 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने चंडीगढ़ में शिक्षा क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए सम्मानित किया। वर्ष 2003 में राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें ये पुरस्कार तत्कालीन राज्यपाल बाबू परमानंद ने प्रदान किया था। वहीं वर्ष 2006 में शिक्षा के साथ साथ समाजसेवा क्षेत्र में बेहतर योगदान देने पर तत्कालीन राज्यपाल एआर किदवई व तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने सम्मानित किया। वहीं तत्कालीन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 15 जून 2022 को मास्टर प्यारेलाल को शतकवीर रक्तदाता स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया। इसके अलावा भिवानी के स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक मंच ने उन्हें गौरव अवार्ड भिवानी सेवा सम्मान नवाजा।

इन्होंने जताया शोक

मास्टर प्यारेलाल सांगवान की प्रेरणा से रक्तदान की मुहिम से जुड़ने वाले एसडीएम मनोज दलाल, शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा, प्रवक्ता श्यामसुंदर सांगवान, डॉ. राजीव वत्स, मदनलाल श्योराण, कंवरभान दहिया, सतीश मेचू, अजय सांगवान, जयवीर मान, दयानन्द दामकोरा, उमराव सिंह, करन सिंह जैनवास, एडवोकेट सतीश श्योराण, रजनीश सांगवान, श्यामसुंदर सिंगल व मास्टर राजकुमार सहित अनेक लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सभागार में दिखाया शो

सैंड ऑफ आर्ट शो के माध्यम से दिखाई छोटे वीर साहिबजादों की शहादत की वीरगाथा

जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया ने किया शो का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज⏭ भिवानी

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वीर बाल दिवस पर छोटे वीर साहिबजादों के शहीदी की याद में वीरवार को डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सैंड ऑफ आर्ट शो का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शो के माध्यम से छोटे वीर साहिबजादों की जीवन गाथा दिखाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया ने किया। विद्यार्थियों ने बड़ी ही उत्सुकता के साथ शो को देखा। इस कार्यक्रम के दौरान सैंड ऑफ आर्ट के माध्यम से गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह व फतेह सिंह की शहादत के हर लम्हे को अनोखे अंदाज में दिखाया गया। इस 40 मिनट के इस शो में मुगलों के जुल्म और चार साहिबजादों की वीरगाथा की युवा पीढ़ी के समक्ष रखा गया।

इस सैंड ऑफ आर्ट शी में कलाकारों ने गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों के जन्म खालसा पंथ की स्थापना के बाद मुगल शासकों, सरहिंद के सूबेदार कबीर खां द्वारा आक्रमण के बाद 20-21 दिसम्बर 1704 को मुगल सेना में युद्ध करने के लिए गुरु गोबिंद सिंह ने परिवार सहित श्री आनंदपुर साहिब किले को छोड़ना, सरसा नदी पर गुरु गोबिंद सिंह के परिवार का विद्युडने को दिखाया गया। बताया गया कि गंगू ने लालच में आकर तुरंत वजीर खां को गोबिंद सिंह की माता और छोटे साहिबजादों के यहां होने की खबर दे दी, जिसके बदले में वजीर खां ने उसे सोने की मोहरें भेंट की। खबर मिलते ही वजीर खां के सैनिक माता गुजरी और 7 वर्ष की आयु के साहिबजादा जोरावर सिंह और 5 वर्ष की आयु के साहिबजादा फतेह सिंह को गिरफ्तार करने गंगू के घर पहुंच गए।

उन्हें लाकर ठंडे बुर्ज में रखा गया और उस ठिठुरती ठंड से बचने के लिए कपड़े का एक टुकड़ा तक ना देना, रात भर ठंड में ठिठुरने के बाद सुबह होते ही साहिबजादों को वजीर खां के सामने पेश किया गया, जहां भरी सभा में उन्हें इस्लाम धर्म कबूल करने को कहा गया। सभा में पहुंचते ही बिना किसी हिचकिचाहट के दोनों साहिबजादों ने जोर से जयकारा लगाया, जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, यह देख सब दंग रह गए।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में वीरगाथा दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहादत को किया नमन

यह बताया गया कि वजीर खां की मौजूदगी में कोई ऐसा करने की हिम्मत भी नहीं कर सकता, लेकिन गुरु जी की नन्हीं जिंदगियां ऐसा करते समय एक पल के लिए भी न डरी, के इतिहास की अपनी कला के माध्यम से युवा पीढ़ी के समक्ष रखा गया। आखिर में दोनों साहिबजादों को दीवारों में जिंदा चिनवाने का ऐलान किया गया। दोनों साहिबजादों को जब दीवार में चिनना आरंभ किया गया, तब उन्होंने जपुजी साहिब का पाठ करना शुरू कर दिया। 27 दिसम्बर सन 1704 को दोनों छोटे साहिबजादे और जोरावर सिंह व फतेह सिंह को दीवारों में चिनवा दिया गया।

निबंध प्रतियोगिता में छाए विद्यार्थी

उधर दूसरी तरफ साहिबजादों की शहादत की खबर सुनकर माता गुजरी ने अकाल पुरख को इस शहादत के लिए शुक्रिया किया और अपने प्राण त्याग दिए। स्कूल के प्रांगण में दर्जनों बच्चों ने बीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम पर जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों का ज्ञानवर्धन करते हैं। बच्चों को अपने इतिहास के बारे में जानकारी होती है। शैंड ऑफ आर्ट द्वारा एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

खबर संक्षेप

चंचल शर्मा ने क्लेट में 1247वीं रैंक हासिल की

भिवानी। गांव ढाणी माहू स्थित संत रोशन लाल विद्या मंदिर विद्यालय कि 12वीं कक्षा की छात्रा चंचल शर्मा पुत्री गजानन शर्मा ने पूरे भारतवर्ष में कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में 1247वीं रैंक हासिल कर अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया। चंचल वर्तमान में 12वीं कक्षा की छात्रा है। इस बड़ी उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए चंचल ने किसी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया होनहार छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अध्यापक, शिक्षण संस्थान व माता-पिता को दिया चंचल के माता-पिता व दादी ने खुलकर विद्यालय की सराहना की। यदुवंशी ग्रुप के अध्यक्ष राव बहादुर सिंह व एसआरएलवीएम ढाणी माहू के अध्यक्ष अपूर्व अग्रवाल ने होनहार छात्रा व उनके माता-पिता को सम्मानित कर बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रेमलता नेहरा ने छात्रों को कठोर परिश्रम का महत्व बताया वह प्रतिभाशाली छात्रा चंचल शर्मा के उज्जवल भविष्य की कामना की।

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के बताए नियम

भिवानी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा कार सेवा अभियान तथा हिट एंड रन कानून को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सजग करना और युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें और यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें। वक्ताओं ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी न केवल स्वयं के लिए, बल्कि दूसरों के जीवन के लिए भी घातक साबित हो सकती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को ड्रग्स जैसे नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

निशा ने क्लेट में 105वीं रैंक की हासिल

तोशाम। स्थित आदर्श कॉन्वेंट स्कूल की होनहार छात्रा निशा पुत्री सुरेंद्र गांव धारवानबास ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट क्लेट 2025 में 105वीं रैंक हासिल कर अपने स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के साथ, उन्होंने न केवल अपनी मेहनत और समर्पण का परिचय दिया है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। उल्लेखनीय है कि क्लेट की परीक्षा गत 7 दिसंबर को आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से लगभग 75,000 उम्मीदवारों ने भाग लिया था। आदर्श कॉन्वेंट स्कूल कैरू की इस छात्रा ने अपनी तैयारी और अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि पर स्कूल प्रशासन और शिक्षकों ने छात्रा को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा, /"हम अपनी छात्रा की इस उपलब्धि पर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। क्लेट परीक्षा के परिणामों के अनुसार, इस वर्ष कुल 58 उम्मीदवारों ने 99 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। आदर्श कॉन्वेंट स्कूल कैरू की छात्रा की 105वीं रैंक उनकी इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाती है।

पेयजल संरक्षण अभियान को गति देने के लिए जिला जल एवं सीवरेज समिति की बैठक आयोजित

चरखी दादरी। स्थानीय लघु सचिवालय सभागार में वीरवार को उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में जिला जल एवं सीवरेज मिशन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न एजेंडों पर चर्चा की गई। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से एक्सईएन एवं जिला सलाहकार राजू भूम्मक ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने उपायुक्त डॉ नागपाल को बताया कि जिला ग्रामीण क्षेत्र में कुल 81922 घरों को नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा चुका है। हर घर नल से जल लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने वाला जिला बन चुका है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी 167 ग्राम पंचायतों में ग्राम जल एवं सीवरेज समितियां सक्रिय हैं। 357 सरकारी विद्यालयों और 599 आंगनबाड़ियों में नल आधारित पेयजल सुविधा उपलब्ध है। वर्ष 2025-26 के दौरान 807 कैमिकल और 3971 बैक्टीरियोलॉजिक नमूनों की जांच की गई, जिनमें 37कैमिकल और 1011 जीवाणु संबंधी नमूने असफल मिले।

तैराकी प्रतियोगिता में नव्या की शानदार उपलब्धि

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार की होनहार छात्रा नव्या ने तैराकी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन गत 6 एवं 7 दिसंबर को भीम स्टेडियम में हुआ। खेल महोत्सव में कक्षा तृतीय 'डी' की नव्या ने अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली परिचय देते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। छात्रा नव्या ने 50 मीटर बटरफ्लाई तैराकी में द्वितीय तथा 50 मीटर बैक स्ट्रोक तैराकी में तृतीय स्थान प्राप्त कर न केवल अपने अभिभावकों बल्कि पूरे विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि से विद्यालय में हर्ष और गर्व का वातावरण बना।छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रशासक शमशेर सिंह अहलावत, प्राचार्य विमलेश आर्य, उप-प्राचार्य दीपक वशिष्ठ एवं प्राथमिक विभाग प्रमुख वीणापाणि महता ने नव्या को हार्दिक बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभाग प्रमुख अमरेंद्र कुमार, सुवीरा गर्ग व खेल प्रशिक्षिका संजय लता आदि उपस्थित रहे।

स्वदेशी अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को दी जा सकती मजबूती

स्वदेशी उत्पादों की स्टॉलों के साथ मेहंदी और रंग भरो प्रतियोगिता में छाए विद्यार्थी

- भारतीय खेल, परिधान एवं व्यापार को प्रोत्साहित करने का माध्यम है स्वदेशी मेला : अमित

हरिभूमि न्यूज⏭ भिवानी

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के उद्देश्य से स्वदेशी जागरण मंच ने बाल भवन वाटिका में चार दिवसीय भव्य स्वदेशी मेले का शुभारंभ हुआ। यह मेला न केवल स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी है, बल्कि भारतीय संस्कृति और उद्यमिता का अनूठा संगम बनकर उभरा है। इस मौके पर बतौर मुख्यतिथि नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी ओमप्रकाश, विभाग संचालक सत्यनारायण मित्तल पहुंचे। कार्यक्रम में बाबा मेलनाथ आश्रम लेघा के महंत योगी राजनाथ महाराज का सान्निध्य रहा। स्वदेशी मेले का शुभारंभ करते हुए अतिथियों ने स्वदेशी उत्पादों की देश की अर्थव्यवस्थ की रीढ़ बताते हुए प्रत्येक जन को स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आह्वान किया। मेला प्रमुख राजीव मित्तल ने बताया कि ये आयोजन 21 दिसंबर तक चार दिनों तक चलेगा, जहां प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक आम जनमानस स्वदेशी रंगों का आनंद ले सकेंगे। मेले में प्रदेशभर के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स के लिए 75 विशेष स्टॉल लगाई गई।

भिवानी। स्वदेशी मेले का शुभारंभ करते नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह। फोटो : हरिभूमि

आयकर नियोजन के विभिन्न पहलुओं पर डाला प्रकाश

भिवानी। शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय में आयकर नियोजन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं को वित्तीय साक्षरता एवं कर नियोजन से संबंधित जानकारी प्रदान करना रहा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रमोशन ऑफ फाइनेंशियल लिटरेसी दिल्ली विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. आरपी तुलसियान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने अतिथि वक्ता का स्वागत कर एवं उन्हें पौधा भेंट कर किया। डॉ. आरपी तुलसियान ने अपने व्याख्यान की शुरुआत प्राध्यापकों से संवादात्मक प्रश्नों के माध्यम से की। उन्होंने आयकर नियोजन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिसमें कर की कानूनी योजना, निवेश के उपयुक्त विकल्प, निवेश की सही दिशा तथा कर दायित्व को कम करने की प्रभावी रणनीतियां शामिल रहीं। उन्होंने आयकर नियोजन को कर कानूनों के अंतर्गत उपलब्ध कटौतियों, छूटों एवं लाभों का उपयोग कर वित्तीय व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की प्रक्रिया बताया। यह व्याख्यान अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रहा।

एनआरसी को बताया पारदर्शी प्रक्रिया

भिवानी। भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रधान वीरेंद्र कौशिक ने एनआरसी और मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मुद्दे पर जनता के बीच भ्रम फैला रहा है, जबकि सरकार का मुख्य लक्ष्य देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि विपक्षी दलों का असली मकसद आम जनता को गुमराह करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अवैध घुसपैठियों को अपने सुरक्षित 'वोट बैंक' के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता है कि अवैध घुसपैठियों के नाम मतदाता सूचियों में बने रहें ताकि वे चुनावों में इसका अनुचित लाभ उठा सकें।

उपलब्धि वैश्य महाविद्यालय प्रबंधन परिवार के सदस्यों ने किया जतिन शर्मा को सम्मानित

गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर गूंजेगा वैश्य महाविद्यालय भिवानी का नाम

वैश्य महाविद्यालय शिक्षा के साथ अन्य गतिविधियों में भी कर नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज⏭ भिवानी

वैश्य महाविद्यालय भिवानी के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं, इसी कड़ी में वैश्य महाविद्यालय भिवानी के एन एस एस वॉलंटियर्स जतिन शर्मा ने रिपब्लिक डे परेड कैंप में चयनित होकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गौरतलब है कि उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रो दिनेश शर्मा, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के एन एस एस कॉर्डिनेटर प्रो संजीव शर्मा एवं वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्राचार्य डॉ संजय गोयल के कुशल नेतृत्व एवं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कामना कौशिक व डॉ. मोहन लाल की देख रेख में महाविद्यालय की एन एस एस इकाईयों के स्वयंसेवक अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर परचम लहरा रहे है। आज वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्रांगण में महाविद्यालय के एन एस एस वॉलंटियर्स जतिन शर्मा को रिपब्लिक डे परेड कैंप में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता, वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता आदि रहे।

भिवानी। प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होना गौरव की बात

सम्मान समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने एन एस एस वॉलंटियर्स जतिन शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि जतिन शर्मा एक होनहार स्वयंसेवक है जिसने इससे पहले भी राष्ट्रीय सेवा योजना के अनेकों प्रकल्पों में अन्य उपलब्धियां अपने नाम की है उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में वैश्य महाविद्यालय भिवानी का नाम राजपथ पर गूंजेगा जो कि हम सबके लिए गौरवशाली क्षण है। वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता ने एन एस एस वॉलंटियर्स जतिन शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवकों को सामाजिक जीवन में प्रवेश करने के लिए प्रशिक्षित करते हुए उन्हें अनुशासन के भाव को पैदा करती है।वास्तव में ये स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने का बेहतर माध्यम है।

आईटीआई में पंच प्रण प्रतियोगिता का आयोजन

भिवानी। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा के निर्देशानुसार राजकीय आईटीआई, भिवानी में 17 से 21 दिसंबर तक पंच प्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यबोध, एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना रहा। राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि पंच प्रण प्रतियोगिता का शुभारंभ व्याख्यान के साथ हुआ। उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर वीरवार को को पंच प्रण प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया गया(